न्यूज़ टुडे

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (NTTM) के 5 वर्ष पूरे हुए

इस मिशन को **वस्त्र मंत्रालय** ने शुरू किया था। इसका उद्देश्य **भारत को तकनीकी वस्त्र में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित** करना है।

- NTTM में 4 घटक शामिल हैं- **अनुसंधान, नवाचार और विकास; संवर्धन एवं बाजार विकास; निर्यात संवर्धन; तथा शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास।**

तकनीकी वस्त्र (Technical Textiles) के बारे में

- **परिभाषा:** तकनीकी वस्त्र को दरअसल ऐसी वस्त्र सामग्री और उत्पादों के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनका उपयोग उनके सौंदर्य या सजावटी विशेषताओं की बजाय **उनके तकनीकी प्रदर्शन और कार्यात्मक यानी फंक्शनल गुणों** के आधार पर किया जाता है।
- इन उत्पादों को सामान्य तौर पर **12 अलग-अलग श्रेणियों** में वर्गीकृत किया गया है (इन्फोग्राफिक देखें)।

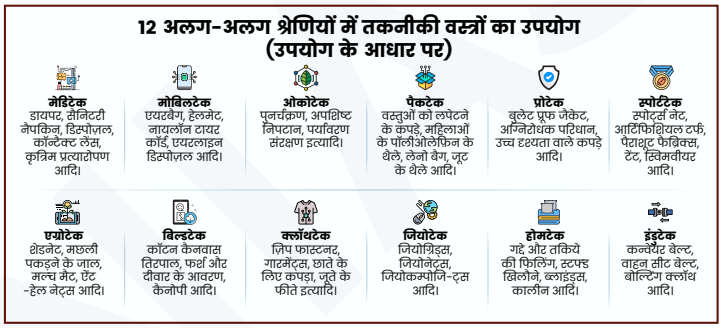

मिशन के प्रमुख लाभ

- **वस्त्र क्षेत्रक को बढ़ावा:** भारत वैश्विक स्तर पर **वस्त्रों का छठा सबसे बड़ा निर्यात करने वाला देश** है। वस्त्र क्षेत्रक **भारत की GDP में लगभग 2% का योगदान** देता है।
- **मजबूत अवसंरचनाओं का विकास:** राजमार्गों आदि में **जियो-टेक्सटाइल्स** के उपयोग से उनके रखरखाव संबंधी लागत कम होती है। साथ ही, मिट्टी को स्थिर करने, कटाव को रोकने और जल निकासी में सुधार करने की जियो-टेक्सटाइल्स की क्षमता के कारण राजमार्गों का जीवनकाल लंबा हो जाता है।
- **निर्यात संवर्धन: सिंथेटिक और रेयान वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद (SRTEPC)** (अब MATEXIL) तकनीकी वस्त्र के निर्यात को बढ़ावा देती है।
- **पर्यावरणीय रूप से संधारणीय:** विशेष रूप से एग्रो-टेक्सटाइल, जियो-टेक्सटाइल एवं मेडिकल-टेक्सटाइल के लिए **बायोडिग्रेडेबल तकनीकी वस्त्र सामग्री का विकास** पर्यावरण हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **नवाचार: आराम और कार्यक्षमता** दोनों में उन्नति को बढ़ावा देना।
  - उदाहरण के लिए- भारत के पहले **बॉन्डेड लीक-प्रूफ मासिक धर्म अंडरगारमेंट 'महीना'** का विकास किया गया है।

NTTM के तहत शुरू की गई अन्य महत्वपूर्ण पहलें

- **तकनीकी वस्त्रों के लिए इंटर्नशिप सहायता हेतु अनुदान (GIST 2.0):** इसे उद्योग और शिक्षा जगत के बीच के अंतराल को समाप्त करने के लिए शुरू किया गया है।
- **ग्रांट फॉर रिसर्च टेक्निकल एंड एंटरप्रेन्योरशिप एक्रॉस एस्पायरिंग इनोवेटर्स इन टेक्निकल टेक्सटाइल्स (GREAT) योजना:** इसका उद्देश्य व्यवसायीकरण के लिए प्रोटोटाइप को प्रौद्योगिकियों/उत्पादों में परिवर्तित करने हेतु वित्त-पोषण प्रदान करना है।

संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्यु दर आकलन अंतर-एजेंसी समूह (UN IGME) ने रिपोर्ट जारी की

इस रिपोर्ट का शीर्षक है- **"बाल मृत्यु दर के स्तर और रुझान"**। इस रिपोर्ट में बाल मृत्यु दर को कम करने में **अन्य चार देशों के साथ भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना** की गई है।

- **वर्ष 2000** से अब तक भारत में **पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 70 प्रतिशत तथा नवजात शिशु मृत्यु दर में 61 प्रतिशत की कमी** आई है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत के बेहतर प्रदर्शन में योगदान देने वाले कारक

- **आयुष्मान भारत:** यह **प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये का वार्षिक बीमा कवरेज** प्रदान करने वाली स्वास्थ्य बीमा योजना है।
- **प्रसव संबंधी समग्र सुविधा: लोक स्वास्थ्य संस्थानों** में प्रत्येक गर्भवती महिला को **निःशुल्क प्रसव (सिजेरियन सहित)** की सुविधा प्रदान की जाती है। साथ ही, **शिशु देखभाल के लिए निःशुल्क परिवहन, दवाइयां, निदान और आहार सहायता भी उपलब्ध** कराई जाती है।
- **मातृत्व सेवाओं की उपलब्धता और प्रसार में सुधार:** प्रसूति प्रतीक्षा गृहों और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग्स की स्थापना तथा **जन्म के समय से ही बच्चे में किसी विकार की जांच के लिए समर्पित कार्यक्रम** के माध्यम से अवसंरचना को मजबूत किया गया है।
- **कुशल प्रसव परिचारिकाओं को प्रशिक्षण देना:** मिडवाइव्स और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं जैसी **कुशल प्रसव परिचारिकाओं को प्रशिक्षण** दिया जा रहा है।

इस संबंध में भारत द्वारा शुरू की गई पहलें

- **प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान:** इसका उद्देश्य सभी गर्भवती महिलाओं को निश्चित दिन पर सुनिश्चित, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव-पूर्व देखभाल प्रदान करना है।
- **जननी सुरक्षा योजना:** इसमें प्रसव और प्रसव के बाद की स्वास्थ्य देखभाल के साथ नकद सहायता को शामिल किया गया है।
- **मदर्स एब्सोल्यूट अफेक्शन (MAA):** इसका उद्देश्य स्तनपान के तरीकों में सुधार करना और स्तनपान को बढ़ावा देना है।
- **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP):** यह बच्चों को प्राण-घातक रोगों से बचाने के लिए टीकाकरण कार्यक्रम है।

विश्व स्तर पर बाल मृत्यु दर को और कम करने के लिए रिपोर्ट में की गई सिफारिशें

- **निवेश को प्राथमिकता देना:** इस संबंध में निवेश को सबसे सुभेद्य आबादी पर लक्षित किया जाना चाहिए।
- **डेटा का बेहतर उपयोग करना:** लक्ष्यीकरण संबंधी कार्य और हस्तक्षेप उप-राष्ट्रीय स्तर के डेटा पर आधारित होने चाहिए।
- **अन्य:** इसमें आयु-विशिष्ट हस्तक्षेप करना, डेटा की उपलब्धता सुनिश्चित करना, आदि शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में पारिवारिक मूल्यों में गिरावट पर चिंता व्यक्त की

परिवार एक **सामाजिक समूह** है। इसमें आमतौर पर लोग **एक ही घर में साथ-साथ रहते हैं, आपस में आर्थिक सहयोग करते हैं तथा जिसमें प्रजनन क्रिया संपन्न** होती है।

- परिवार को भारतीय समाज की **बुनियादी संस्था** माना जाता है और यह हमारे पारस्परिक-सामाजिक संबंधों में पारंपरिक रूप से प्रमुख स्थान रखता है।
- हालांकि, मौजूदा दौर में **एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति, लिव-इन रिलेशनशिप, पारिवारिक कलह आदि परिवारिक मूल्यों में गिरावट** का संकेत देते हैं।

पारिवारिक मूल्यों में गिरावट के मुख्य कारण

- **सामाजिक प्रगति: शहरीकरण** (बेहतर जीवन की तलाश में शहरों की ओर पलायन), **वैश्वीकरण** (व्यक्तिगत स्वतंत्रता के पश्चिमी विचारों का प्रभाव), **औद्योगीकरण** (औद्योगिक क्षेत्रों की ओर पलायन) आदि के कारण संयुक्त परिवार प्रणाली कमजोर हो रही है।
- **बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोण:** वर्तमान युवा पीढ़ी तेजी से **निजता, स्वतंत्रता और घरेलू कार्यों को बराबरी में बांटने** की मांग कर रही है।
- **आर्थिक कारक:** जीवन जीने के लिए अधिक धन की आवश्यकता, **आर्थिक अस्थिरता, आधुनिक जीवन की उच्च मांगों के साथ-साथ दृष्टिकोणों और विचारों में अंतर** आदि के कारण अलग-अलग पीढ़ियों के लिए एक साथ रहना कठिन होता जा रहा है।
- **नैतिक मूल्यों का ह्रास:** व्यक्तिवादी और भौतिकवादी समाज के उदय से **ईमानदारी, नैतिकता व सहानुभूति जैसे मूल्यवान गुणों** का ह्रास होता जा रहा है, जो सामूहिक जीवन के लिए आवश्यक हैं।

निष्कर्ष

पीढ़ीगत मतभेदों को दूर करने के लिए अधिक से अधिक संवाद को बढ़ावा देना, पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं की बजाय व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुसार कार्यों का बंटवारा करना, निजता का सम्मान करते हुए तकनीक को अपनाना आदि पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

सागरमाला कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे हुए

सागरमाला कार्यक्रम **मार्च 2015** में शुरू किया गया था। यह **केंद्रीय पत्तन, पोत-परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की एक प्रमुख पहल** है।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की **7,500 किलोमीटर लंबी तट रेखा और लगभग 14,500 किलोमीटर नौवहन-योग्य जलमार्ग क्षमता** का उपयोग करके देश में आर्थिक विकास को गति प्रदान करना है।
  - साथ ही, इसका लक्ष्य **घरेलू परिवहन तथा आयात-निर्यात कार्गो की लॉजिस्टिक्स लागत को भी कम** करना है।
- **राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति (NSAC)** इस कार्यक्रम के लिए नीतिगत दिशा-निर्देश जारी करने और निगरानी करने वाली शीर्ष संस्था है।
- इस कार्यक्रम के **5 पिलर्स और 24 श्रेणियां** हैं (इन्फोग्राफिक देखिए)।
- इस कार्यक्रम का नया चरण **सागरमाला 2.0** है। नए चरण में **जहाज निर्माण, मरम्मत, रीसाइक्लिंग और बंदरगाहों के आधुनिकीकरण** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

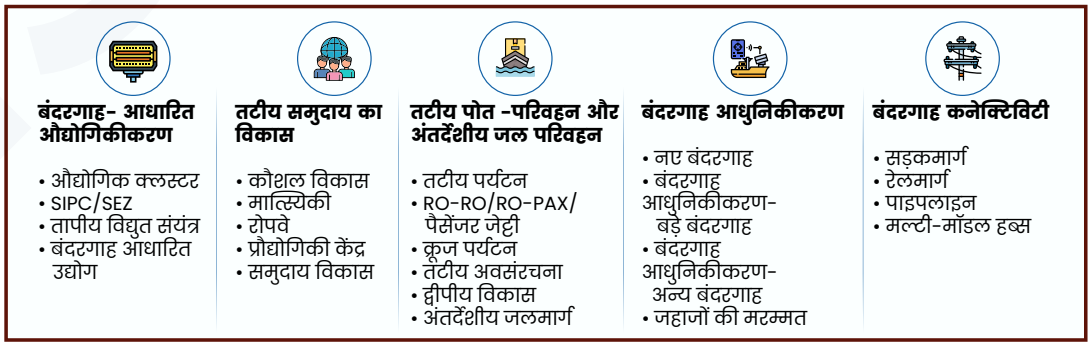

सागरमाला कार्यक्रम की उपलब्धियां

- **परियोजनाएं:** अब तक **272 परियोजनाएं पूरी** की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं में लगभग **1.41 लाख करोड़ रुपये** का निवेश हुआ है।
- **बंदरगाहों की वैश्विक रैंकिंग:** 9 भारतीय बंदरगाह विश्व के शीर्ष 100 बंदरगाहों में शामिल हैं। **विशाखापत्तनम (विज़ाग/ Vizag) विश्व के शीर्ष 20 कंटेनर बंदरगाहों** में शामिल है।
- **सागरमाला स्टार्ट-अप इनोवेशन इनिशिएटिव (S2I2) लॉन्च किया गया:** इस पहल का उद्देश्य भारत के समुद्री क्षेत्रक में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।
- **तटीय पोत -परिवहन में संवृद्धि:** पिछले एक दशक में **118% की संवृद्धि** हासिल की गई है। इससे **लॉजिस्टिक्स लागत और कार्बन उत्सर्जन में कमी** आई है।
- **अंतर्देशीय जलमार्गों से परिवहन में वृद्धि:** कार्गो परिवहन में **700% की संवृद्धि** दर्ज की गई है। इससे सड़क मार्गों और रेलमार्गों पर यातायात की भीड़ में कमी आई है।

नासा के पार्कर सोलर प्रोब ने सूर्य से 6 मिलियन किलोमीटर की दूरी में पहुंचने का एक और प्रयास किया

पार्कर सोलर प्रोब को 2018 में प्रक्षेपित किया गया था। यह यान **सूर्य के ऊपरी वायुमंडल (कोरोना)** से होकर गुजरा था और वहां से **कणों एवं चुंबकीय क्षेत्रों के नमूने** प्राप्त किए थे। इस प्रकार यह सूर्य को **"स्पर्श"** करने वाला पहला अंतरिक्ष यान बन गया था।

पार्कर सोलर प्रोब (PSP) के बारे में

- **उद्देश्य:** इसे **सूर्य की सतह से लगभग 6.5 मिलियन किलोमीटर** के भीतर उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि सूर्य से निकलने वाले **ऊर्जा के प्रवाह का पता लगाया जा सके; सौर कोरोना के ताप का अध्ययन किया जा सके और सौर पवनों को गति देने वाले कारकों की खोज** की जा सके।
  - **सौर पवनें** सूर्य के डार्क और कम गर्म क्षेत्रों से निकलने वाले **प्रोटोन्स एवं इलेक्ट्रॉन्स जैसे विद्युत आवेशित कणों की धारा** है। सूर्य के डार्क और कम गर्म क्षेत्रों को **कोरोनल होल्स एवं सक्रिय क्षेत्र** कहा जाता है।
- **यान पर लगे वैज्ञानिक उपकरण:** फील्ड एक्सपेरिमेंट (FIELDS); इंटीग्रेटेड साइंस इन्वेस्टीगेशन ऑफ द सन (ISOIS); वाइड फील्ड इमेजर फॉर सोलर प्रोब (WISPR); सोलर विंड इलेक्ट्रॉन्स अल्फा एंड प्रोटोन्स (SWEAP) आदि।

सौर मिशनों का महत्त्व

- **अंतरिक्ष मौसम का पूर्वानुमान:** सौर विकिरण और उससे जुड़ी ऊर्जा एवं चुंबकीय क्षेत्र अंतरिक्ष मौसम में परिवर्तन ला सकते हैं। इनका असर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और संचार प्रणालियों पर पड़ता है।
- **खगोलीय पिंडों (Cosmic objects) को समझना:** सूर्य सबसे निकटतम तारा है, इसके अध्ययन से अन्य तारों के बारे में शोध में मदद मिल सकती है।

अन्य सोलर प्रोब/ वेधशालाएं

- **इसरो:** आदित्य-L1, सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन है।
- **अन्य:** एडवांस्ड स्पेस-बेस्ड सोलर ऑब्जर्वेटरी (ASO-S), चीन; हिनोड (SOLAR-B), जापान; नासा, यूरोपीय स्पेस एजेंसी और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के सहयोग से निर्मित सोलर एंड हेलिओस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी (SOHO) आदि।

संसदीय स्थायी समिति ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) पर रिपोर्ट प्रस्तुत की

कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय से संबंधित विभागीय संसदीय स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में **CBI की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के लिए कुछ सिफारिशें** की हैं।

CBI की कार्यप्रणाली से जुड़ी चिंताएं

- **स्वायत्तता की कमी तथा अधिक प्रभावी नहीं होना:** CBI को **दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (DSPE) अधिनियम, 1946** के तहत कानूनी शक्तियां दी गई हैं। इसमें राज्यों को अधिक शक्तियां दी गई है- जैसे कि किसी मामले की जांच के लिए राज्य सरकारों से सहमति प्राप्त करना। स्पष्ट है कि केंद्रीय एजेंसी होने के नाते CBI को जांच के दौरान व्यवधानों का सामना करना पड़ता है ।
  - वर्तमान में **पश्चिम बंगाल, कर्नाटक** जैसे विविध राज्यों ने CBI को सौंपी गई **सामान्य सहमति** (General Consent) वापस ले ली है। इससे कई मामलों में CBI जांच प्रभावित हो रही है।
- **बड़ी संख्या में रिक्तियां:** CBI में कुल **724 पद रिक्त** हैं, जो **स्वीकृत पदों का लगभग 16%** है।
- **पारदर्शिता की कमी:** CBI द्वारा दर्ज मामले, उन मामलों की जांच की प्रगति और अंतिम निर्णय से जुड़ी **जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं** होती।

संसदीय समिति की सिफारिशें

- **अलग या नया कानून:** राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता से जुड़े मामलों में CBI को **राज्य की सहमति के बिना व्यापक जांच की शक्तियां** प्रदान करने के लिए एक नया कानून बनाया जा सकता है।
- **CBI को एक स्वतंत्र भर्ती-प्रणाली गठित करनी चाहिए:** CBI को उपाधीक्षक (Dy.S.P.), निरीक्षक (Inspector) और उप-निरीक्षक (Sub-Inspector) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर **सीधी भर्ती** की अनुमति दी जानी चाहिए।
- **साइबर अपराध, फोरेंसिक जैसे क्षेत्रकों में विशेषज्ञों के लिए लेटरल एंट्री** का प्रावधान किया जाना चाहिए।
- **सूचनाओं को सक्रिय रूप से सार्वजनिक करना:** CBI की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए दर्ज **मामलों से जुड़े डेटा और वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से CBI की वेबसाइट पर उपलब्ध** करानी चाहिए।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के बारे में

- **इतिहास:** CBI की शुरुआत **विशेष पुलिस स्थापना (SPE)** से जुड़ी हुई है, जिसे **1941** में स्थापित किया गया था।
  - विशेष पुलिस स्थापना का कार्य **द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत के युद्ध एवं आपूर्ति विभाग में भ्रष्टाचार और घूसखोरी के मामलों की जांच** करना था।
- **स्थापना:** भ्रष्टाचार निवारण पर **संथानम समिति (1962-64)** की सिफारिश पर **1963** में CBI का गठन किया गया था।
- **संबंधित मंत्रालय:** CBI **केंद्रीय कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय** के तहत कार्य करती है।
- **वैधानिक स्थिति:** CBI न तो **संवैधानिक संस्था** (Non-constitutional) है और न ही **सांविधिक संस्था** (Non-statutory) है।

अन्य सुर्ख़ियां

जैव-विविधता विरासत स्थल

कसमपट्टी सेक्रेड ग्रोव को तमिलनाडु का दूसरा BHS घोषित किया गया है। राज्य का **पहला BHS मदुरै में अरिट्टापट्टी** है।

- यह **डिंडीगुल जिले में अलगर्मलै रिजर्व फॉरेस्ट** के पास स्थित है।

जैव विविधता विरासत स्थल (BHS) के बारे में

- BHS **विशिष्ट पारिस्थितिक-तंत्र** है। यह अपने कुछ महत्वपूर्ण घटकों के साथ **जैव-विविधता के मामले में समृद्ध** होता है। यहां **प्रजातियों की उच्च समृद्धता; उच्च स्थानिकता; दुर्लभ, स्थानिक और संकटग्रस्त प्रजातियां; कीस्टोन प्रजातियां** आदि पाई जाती हैं।
- इन स्थलों को **जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 37(1) के तहत अधिसूचित** किया जाता है।
  - इस धारा में प्रावधान है कि **राज्य सरकार स्थानीय निकायों के परामर्श** से जैव-विविधता महत्त्व वाले क्षेत्र को आधिकारिक राजपत्र में BHS के रूप में अधिसूचित कर सकती है।

GAIA

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ने अपने अंतरिक्ष वेधशाला मिशन, GAIA को बंद कर दिया।

ग्लोबल एस्ट्रोमेट्रिक इंटरफेरोमीटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स (GAIA) के बारे में

- यह हमारी आकाशगंगा, **मिल्की वे का त्रि-आयामी मानचित्र बनाने** का एक मिशन था।
- GAIA को **लैग्रेंज पॉइंट-2 (L-2)** में स्थापित किया गया है। यदि सूर्य से अवलोकन किया जाए तो, **L-2 पृथ्वी के पीछे** है। GAIA पृथ्वी से लगभग **1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी** पर है।
  - **लैग्रेंज पॉइंट्स** पर दो विशाल द्रव्यमान वाले पिंडों का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव और किसी छोटे पिंड को उनके साथ-साथ घूमने के लिए आवश्यक अभिकेंद्रीय बल (centripetal force), दोनों बराबर होते हैं। इस प्रकार यहां पर स्थापित अंतरिक्षयान अपने नियत बिंदु पर बने रहते हैं।
- **उद्देश्य:** इसे तारों और अन्य खगोलीय पिंडों की अवस्थिति एवं गति की सटीक माप के माध्यम से एस्ट्रोमेट्री के लिए डिज़ाइन किया गया था।
  - **एस्ट्रोमेट्री:** ब्रह्मांड का मानचित्रण करने का विज्ञान।

DX-EDGE

हाल ही में, **नीति आयोग के CEO ने "संवृद्धि और उद्यम के लिए डिजिटल उत्कृष्टता (DX-EDGE) पहल"** शुरू की।

DX-EDGE के बारे में

- **नेतृत्व:** नीति फ्रंटियर टेक हब (NITI FTH) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के सहयोग से **भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)** द्वारा।
- **उद्देश्य:** डिजिटल प्रौद्योगिकियों और क्षेत्रक-विशिष्ट रणनीतियों का लाभ उठाकर भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) को लचीला, प्रतिस्पर्धी व डिजिटल रूप से सक्षम बनाना।
  - अकादमिक और तकनीकी संस्थानों को **डिजिटल परिवर्तन सुविधा केंद्रों** (DTFCs) में बदलकर भारत की डिजिटल यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें सशक्त बनाना।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन

चीन में चिकित्सकों ने **जीन संशोधित सूअर से मानव लिवर ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन के माध्यम से सूअर के लीवर को एक इंसान में प्रत्यारोपित** किया।

- सुअर के लीवर ने मरीज के **मूल लीवर को पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं** किया।
- **ट्रांसप्लांट**/ प्रत्यारोपण (जिसे '**ऑग्ज़ीलियरी**/ सहायक' कहा जाता है) उन लोगों की सहायता के लिए '**ब्रिज ऑर्गन**' के रूप में काम कर सकता है, जो मानव दाता की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन के बारे में

- ज़ेनो ट्रांसप्लांटेशन में **किसी पशु से जीवित कोशिकाओं, ऊतकों या अंगों को एक मानव में ट्रांसप्लांट, इम्प्लांट या इंफ्यूशन** किया जाता है।
- **लाभ:** अंगों की वैकल्पिक आपूर्ति, ट्रांसप्लांटेशन योग्य अंगों की कमी को दूर करना, आदि।

प्रचंड प्रहार अभ्यास

भारतीय सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) ने अरुणाचल प्रदेश में तीनों सेनाओं के एकीकृत बहु-क्षेत्रीय अभ्यास, प्रचंड प्रहार का आयोजन किया।

- इसने तीनों सेनाओं में **एकीकृत नियोजन, कमान और नियंत्रण, तथा निगरानी एवं गोलाबारी प्लेटफॉर्म्स** के निर्बाध निष्पादन को प्रमाणित किया।

ग्रीन ग्रैबिंग

असम के स्थानीय समुदाय **असम सोलर पार्क को 'ग्रीन ग्रैबिंग'** बताकर इसका विरोध कर रहे है। इस सोलर पार्क का वित्त-पोषण **एशियाई विकास बैंक** द्वारा किया जा रहा है।

ग्रीन ग्रैबिंग के बारे में

- यह **पर्यावरणीय उद्देश्यों के नाम पर भूमि और संसाधनों का विनियोजन** है। वर्तमान में यह चिंता का कारण बनकर उभरा है।
- ग्रीन ग्रैबिंग तब होती है, जब किसी भूमि का **कार्बन ऑफसेटिंग, जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण या स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन** जैसी परियोजनाओं के लिए फिर से उपयोग किया जाता है।
- इससे **स्थानीय समुदाय विस्थापित** होते हैं; उनकी आजीविका पर बुरा असर पड़ता है; खाद्य सुरक्षा कमजोर होती है; और स्थानीय कृषि जैव विविधता की रक्षा करने वाले पारंपरिक ज्ञान को नुकसान पहुंचता है।

नाग मिसाइल प्रणाली (NAMIS)

रक्षा मंत्रालय ने NAMIS की **खरीद के लिए "खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित)"** श्रेणी के तहत एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

NAMIS के बारे में

- इसे **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला** ने विकसित किया है।
  - DRDO रक्षा मंत्रालय का R&D विंग है।
- यह सबसे परिष्कृत **एंटी-टैंक हथियार प्रणालियों** में से एक है। इसमें **दागो और भूल जाओ टैंक रोधी मिसाइल व दृष्टि प्रणाली** है, जिससे इसकी मारक क्षमता तथा घातकता में बढ़ोतरी होती है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग

केरल देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक आयोग बनाने हेतु **केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग विधेयक** पारित किया है।

- **केरल के नियोजन बोर्ड के अनुसार,** 2015 में केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 13.1 प्रतिशत थी। हालांकि, **राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत** था।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग के बारे में

- **उद्देश्य:** वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा उनमें आत्मविश्वास की भावना का विकास करना।
- **संरचना:** इसमें **एक अध्यक्ष और कम-से-कम तीन सदस्य** होंगे, जो सभी वरिष्ठ नागरिक होंगे।

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

श्री हरिचंद ठाकुर

हाल ही में, **श्री हरिचंद ठाकुर की जयंती** मनाई गई।

हरिचंद ठाकुर के बारे में

- उनका जन्म **बंगाल के नामशूद्र (अस्पृश्य समुदाय) में ओरकांडी** में हुआ था। वर्तमान में यह जगह **बांग्लादेश** में है।
- उन्होंने **बंगाल में मतुआ संप्रदाय** की स्थापना की थी।

मुख्य योगदान

- **निम्न वर्ग का उत्थान:** उन्होंने धार्मिक सुधार के माध्यम से **करुणा और न्याय को बढ़ावा** दिया था।
  - उन्होंने **चांडाल आंदोलन** नामक अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया था।
- **हरिचंद का सिद्धांत:** यह तीन मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है- **सत्य, प्रेम और पवित्रता।**
- **सामाजिक सुधार:** मतुआ संप्रदाय **पुरुष और महिला को समान** मानता है; **बाल विवाह को हतोत्साहित** करता है; तथा **विधवा पुनर्विवाह की अनुमति** देता है।
- **शिक्षा:** ओरकांडी में निम्न जाति के लोगों के लिए **अंग्रेजी माध्यम में एक हाई स्कूल** की स्थापना की थी।